नाट्यम्

रंगमंच एवं सौन्दर्यशास्त्र की त्रैमासिक शोध पत्रिका,

अंक ७७, मार्च-दिसम्बर २०१५

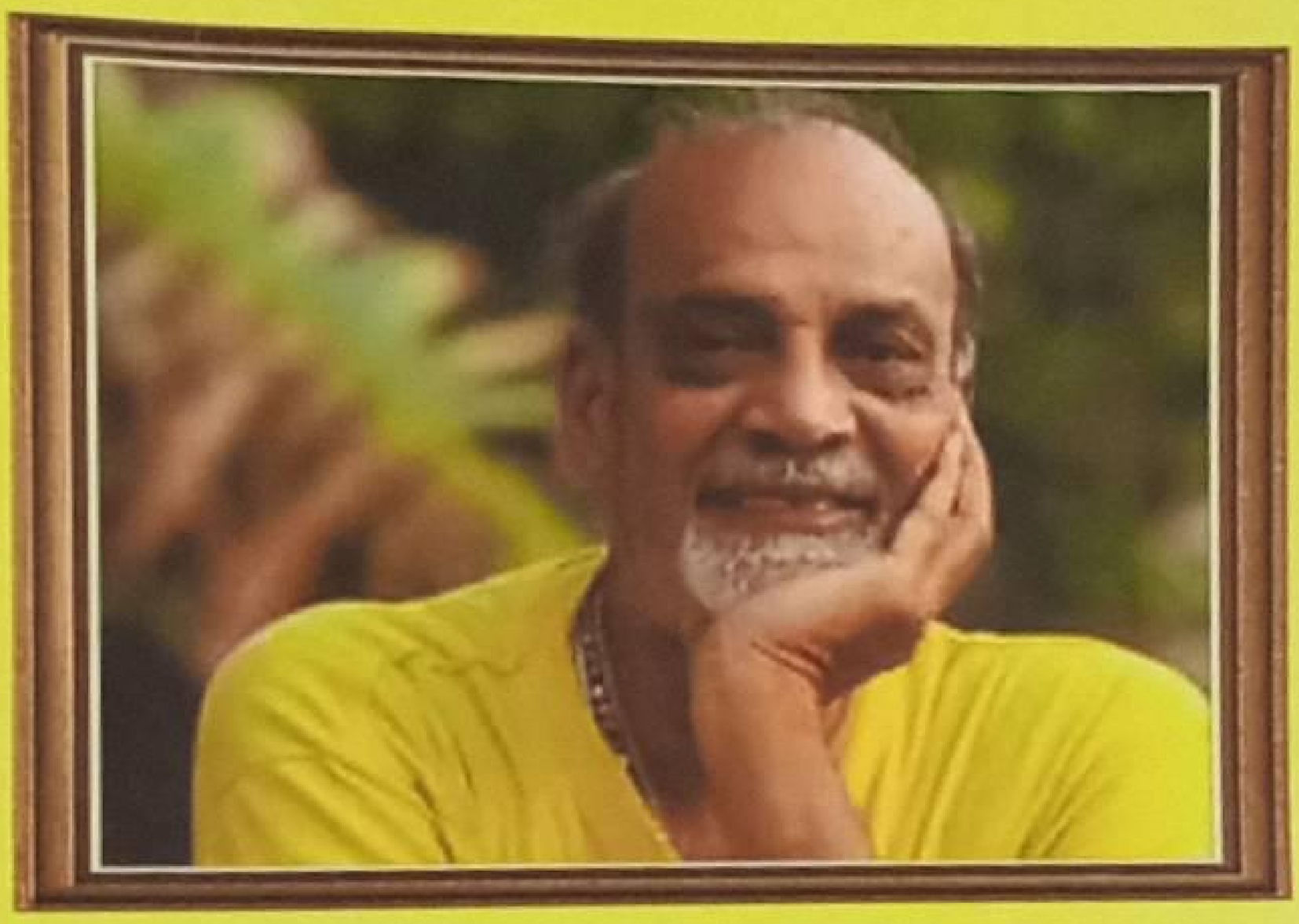

Scanned by TapScanner

ISSN : 2229-5550

नाट्यम् - ७७

संपादक
राधावल्लभ त्रिपाठी

संपादक मंडल
आनंद प्रकाश त्रिपाठी
नौनिहाल गौतम
संजय द्विवेदी

व्यवस्थापक
ऋषभ भारद्वाज

नाट्य परिषद्
संस्कृत विभाग
सागर विश्वविद्यालय
सागर (म.प्र.) पिन - ४७० ००३

Scanned by TapScanner

नाट्यम्
रंगमंच एवं सौन्दर्यशास्त्र की त्रैमासिक शोध पत्रिका,
अंक : ७७, मार्च-दिसंबर २०१५
ISSN : 2229-5550

नाट्य परिषद् (पंजीकरण क्र. १०००६६)
संस्कृत विभाग, डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
दूरभाष-फैक्स (कार्यालय) ०६५८२-२६४३६६ पिन-४७० ००३

Nātyam : A Quarterly Journal of theatre and aesthetics published by *Nātya Pariṣad*.
Deptt. of Sanskrit, Dr. H.S. Gour University, Sāgar, Madhya Pradesh-PIN-470 003. India.
Phone - Fax (off.) - 07582-264366:

आवरण चित्र : कमल वासिष्ठ
पृष्ठ आवरण : कमल वासिष्ठ की नाट्य प्रस्तुति

सदस्यता शुल्क-दर

प्रत्येक अंक	-	२५/- रू.
वार्षिक	-	१००/- रू.
आजीवन (प्रति व्यक्ति)	-	२०००/- रू.
आजीवन (प्रति संस्था)	-	५०००/- रू.

यह शुल्क मनीआर्डर, चेक या नगद दिया जा सकता है जो *नाट्य परिषद्* के नाम तथा सागर में देय होगा।

सम्पर्क– आचार्य राधावल्लभ त्रिपाठी, 21, लैंडमार्क सिटी,
होशंगाबाद रोड, भोपाल - 462026

e-mail– radhavallabh2002@gmail.com
© सर्वाधिकार सुरक्षित

नाट्यम् में प्रकाशित नाटकों के अनुवादों/रूपान्तरों या किसी भी अन्य सामग्री को किसी भी रूप में प्रस्तुति के लिए *नाट्य परिषद्* से अनुमति प्राप्त करना आवश्यक है।

प्रकाशित रचनाओं की रीति-नीति अथवा विचारों से *नाट्य परिषद्*, संपादक या संपादक मंडल की सहमति अनिवार्य नहीं है।

सूचना– आजीवन ग्राहकों को डाक व्यय २५० रू. (दो सौ पचास रूपये मात्र) पर *नाट्यम्* के उपलब्ध पुराने अंक भी नि:शुल्क देय हैं।

Scanned by TapScanner

अनुक्रम

संपादकीय :		*–राधावल्लभ त्रिपाठी*	iii
1.	रङ्गकर्म के 'गुरु-वशिष्ठ' का जीवनमञ्च से निर्गमन	*नौनिहाल गौतम*	1
2.	संस्कृत-प्राकृत-रूपकों एवं उपरूपकों की वर्तमान रङ्गमञ्चीय-स्थिति	*सुमनकुमार झा*	9
3.	स्वप्नवासवदत्तम् नाटक में लोकधर्मी और नाट्यधार्मी का अन्त:सम्बन्ध	*डॉ. वत्सला*	17
4.	वैदग्ध्य एवं पाण्डित्य के सङ्गम महाकवि भवभूति	*बालकृष्ण शर्मा*	25
5.	अभिज्ञानशाकुन्तलम् : देवनागरी एवं दाक्षिणात्य वाचनाओं की पाठालोचना	*बसन्तकुमार म. भट्ट*	33
6.	तण्डुलप्रस्थम् में पात्रों की नाट्य शास्त्रीय विवेचना	*रुचि भार्गव (दीक्षित)*	59
7.	नटाङ्कुश: षष्ठ: अङ्कुश: (गतांक से निरंतर)	*अनु. राधावल्लभ त्रिपाठी*	67

Scanned by TapScanner